

सोम-मंगल को सांसदों, विधायकों से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री

विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री की पहल को विधायकों की नाराजगी दूर करने का प्रयास माना जा रहा है

जयपुर, 24 अगस्त। पिछले साल की तरह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस वर्ष भी प्रदेश के सांसदों व विधायकों से सोमवार व मंगलवार को संवाद करेंगे। इस संवाद की शुरुआत कोटा लोकसभा क्षेत्र से होगी। सभी सांसदों और विधायकों को लोकसभावार सीएमआर में बुलाया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस कवायद को विधायकों की नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रदेश में कई विधायक सार्वजनिक मंचों और कई पार्टी स्तर पर सरकार में सुनवाई नहीं होने की बात कह चुके हैं। कहा जा रहा है कि 1 सितंबर से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विधायकों से संवाद करके उन्हें संतुष्ट करना चाहते हैं। जिससे सत्र के दौरान भाजपा

- सितंबर 2024 में भी विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री भजन लाल ने विधायकों से संवाद किया था। इस बार सोमवार को सुबह के सत्र में कोटा, झालावाड़, टोंक, सवाईमाधोपुर, भरतपुर, करौली के विधायकों व विधायक प्रत्याशियों को बुलाया गया है।**

के विधायक अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा नहीं खोलें। फीडबैक कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहेंगे।

दिसंबर 2024 में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा सत्र से पहले विधायकों से संवाद किया था। संवाद की शुरुआत कोटा लोकसभा क्षेत्र से होगी। मुख्यमंत्री आवास में सोमवार को सुबह के सत्र में कोटा, झालावाड़, टोंक-सवाईमाधोपुर,

भरतपुर और करौली-भरतपुर के सांसद, विधायक व सांसद-विधायक प्रत्याशी रहे नेताओं को बुलाया गया है। वहीं शाम के सत्र में उदयपुर, राजसमंद,चित्तौड़गढ़ ,बांसवाड़ा और भीलवाड़ा के सांसद, विधायक और पूर्व प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। इसी तरह मु.मंत्री मंगलवार को शेष बचे लोकसभा क्षेत्रों के सांसद-विधायकों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवाद कार्यक्रम में भाजपा

जिलाध्यक्षों को भी बुलाया गया है।गौरतलब है कि प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार भी प्रस्तावित है। केंद्रीय नेतृत्व भी साफ कर चुका है कि पार्टी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी रखने वाले विधायकों को मंत्रिमंडल में तरजीह दी जाएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा जिलाध्यक्ष अपने-अपने जिलों के विधायकों की परफॉर्मंस की रिपोर्ट भी रखेंगे।

भाजपा विधायक कई बार मंत्रियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर चुके हैं। लालसोट से भाजपा विधायक रामबिलास मीणा अपनी ही सरकार के यूडीएच मंत्री झाब सिंह खरा की कार्यशैली से नाराज हो गए थे। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि वे मुख्यमंत्री से उनकी शिकायत करेंगे।

गोपालपुरा बायपास के रिहायशी इलाके से लैपर्ड शावक रेस्क्यू किया

वन विभाग की टीम एम. एन. आई. टी. कैम्पस के पास दूसरी लैपर्ड की तलाश में जुटी है

जयपुर (कांस), 24 अगस्ता। राजधानी जयपुर में झालाना के जंगल के निकलकर एक लेपर्ड शावक गोपालपुरा बाईपास के रिहायशी इलाके में घुस गया। जिसे रविवार सुबह वन विभाग की टीम ने ट्रैकुलाइज़ करके पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि पिछले 4 दिनों से इस क्षेत्र में लेपर्ड का मूवमेंट हो रहा था और गोपालपुरा पुलिया के नजदीक एन.बी.सी. बैरिंग फैक्ट्री के आसपास के इलाके में उसके पगमार्क (पंजों के निशान) मिल थे। इस कारण पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल था। बताया जा रहा है कि लेपर्ड शावक की उम्र करीब 10 से 12 महीने की है। वह भोजन और मां की तलाश में वन क्षेत्र से भटकते हुए गोपालपुरा के रिहायशी इलाके में जा पहुंचा। अब वन विभाग की टीम एम.एन.आई.टी. कैंपस के आसपास घूम रही दूसरी लेपर्ड की तलाश में भी जुटी है।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गोपालपुरा पुलिया के नजदीक एनबीसी फैक्ट्री में 21 अगस्त की शाम लेपर्ड मूवमेंट की जानकारी मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने जंगल से लेपर्ड को निकालकर एक लेपर्ड शावक गोपालपुरा बाईपास के रिहायशी इलाके में घुस गया। जिसे रविवार सुबह वन विभाग की टीम ने ट्रैकुलाइज़ करके पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि लेपर्ड शावक की उम्र करीब 10 से 12 महीने की है। वह भोजन और मां की तलाश में वन क्षेत्र से भटकते हुए गोपालपुरा के रिहायशी इलाके में जा पहुंचा। अब वन विभाग की टीम एम.एन.आई.टी. कैंपस के आसपास घूम रही दूसरी लेपर्ड की तलाश में भी जुटी है।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गोपालपुरा पुलिया के नजदीक एनबीसी फैक्ट्री में 21 अगस्त की शाम लेपर्ड मूवमेंट की जानकारी मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंची



जयपुर में झालाना के जंगल से निकलकर गोपालपुरा बाईपास के रिहायशी इलाके में पहुंचे लेपर्ड शावक को वन विभाग की टीम ने ट्रैकुलाइज़ करके पकड़ लिया।

वन विभाग की टीम ने फैक्ट्री एरिया में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। लेकिन देर रात होने की वजह से लेपर्ड के तलाश नहीं सके। इसके बाद टीम ने मौके पर पिंजरा भी लगाया था। शुक्रवार सुबह वन विभाग की टीम को लेपर्ड के

फर्रुखाबाद में गंगा नदी खतरे के निशान से 25 सेमी ऊपर बही

फर्रुखाबाद, 24 अगस्ता। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में गंगा नदी रविवार को खतरे के निशान से 25 सेंटीमीटर उपर बह रही है। अब तक जिले में 162 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए तथा दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

जिले में गंगा नदी पिछले एक पखवाड़े से खतरे के निशान से लगातार ऊपर बह रही है, जिससे 162 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं तथा करीब 5 हजार एकड़ कृषि भूमि की फसल नष्ट

- जिले में 162 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए, दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हुए।**

होने से मवेशियों के के लिए चारे की किल्लत पैदा हो गई है। जिला प्रशासन ने बाढ़ पीड़ितों के राहत के लिए 154 नाव तथा 11 मोटर बोट ,राहत एवं बचाव कार्य की कई टीम लगाई हैं। प्रवक्ता ने बताया कि फर्रुखाबाद में गंगा नदी में आज नरौरा बांध से 134584 क्यूसेक पानी छोड़ गया। यहां गंगा का जलस्तर आज रविवार प्रातः 8:00 बजे 137.35 सेंटीमीटर रिकॉर्ड किया गया जो खतरे के निशान से 25 सेंटीमीटर ऊपर है वहीं गंगा की सहायक नदी राम गंगा में रामनगर बैराज आदि से13337 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

यूक्रेन द्वारा तेल रिफाइनरियों पर हमले से रूस में पेट्रोल की कीमत में भारी वृद्धि

रूस की सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए पेट्रोल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया

- यूक्रेन, रूसी युद्ध मशीनों को नुकसान पहुंचाने के लिए रिफाइनरियों, पंपिंग स्टेशनों व ईंधन ट्रेनों पर ड्रोन हमले केन्द्रित कर रहा है।**

रूसी ऊर्जा संयंत्रों पर हमला किया है। यूक्रेन की खुफिया सेवा के अनुसार जिन रिफाइनरियों पर हमला किया गया है उनमें सालाना 44 मिलियन टन से ज़्यादा उत्पाद उतारते हैं जो रूस की क्षमता का 10 प्रतिशत से भी ज़्यादा है और यह रणनीति कारगर होती दिख रही है। यूक्रेन के मानवरहित प्रणालियों के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवडी के अनुसार इन लक्ष्यों में दक्षिणी रूस की सबसे बड़ी

वोल्गोग्राद स्थित विशाल लुकोइल रिफ़ाइनरी, दक्षिणी रूस में स्थित सारातोव में एक बड़ी रिफ़ाइनरी और रोस्तोव क्षेत्र में स्थित एक और रिफ़ाइनरी शामिल है। यूक्रेन की विदेशी खुफिया सेवा ने पिछले गुरुवार को एक रिपोर्ट में कहा कि रूसी कंपनियां घरेलू कमी को दूर करने के लिए बेलारूस से तत्काल तेल खरीद रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन रूस के तेल निर्यात में भी बाधा डालने की कोशिश कर रहा है। पिछले हफ्ते उसके ड्रोन ने दुर्ज्जा पाइपलाइन पर हमला किया जो हंगरी और स्लोवाकिया को रूसी तेल की आपूर्ति करती है। दोनों देशों ने यूरोपीय संघ से शिकायत करते हुए कहा कि "इन हमलों से यूक्रेन मुख्य रूप से रूस को नहीं, बल्कि हंगरी और स्लोवाकिया को नुकसान पहुंचा रहा है।" अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी इस मामले में हस्तक्षेप किया और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टरबन को एक लिखित नोट में कहा कि वह इस व्यवधान से "बहुत नाराज़" है।

- गोपालपुरा पुलिया के पास एन. बी. सी. फैक्ट्री एरिया में 21 अगस्त को लैपर्ड के मूवमेंट की जानकारी मिली थी। शुक्रवार और शनिवार को भी लैपर्ड का मूवमेंट तथा पगमार्क नज़र आए थे।**

रविवार अल सुबह लेपर्ड का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि लेपर्ड मेल है, जिसकी उम्र 10 से 12 महीने की है और फिलहाल वो पूरी तरह से सकुशल है। उसे एकस्पर्ट की निगरानी में झालाना लेपर्ड रिजर्व में रखा गया है। अब उसकी मां पूजा को पकड़ने की भी तैयारी की जा रही है। जिसका पिछले कुछ वक्त से एमएनआईटी परिसर में लगातार मूवमेंट हो रहा है।

बिहार में ... (प्रथम पृष्ठ का शेष) दौरान मतदाता अपने अपेक्षित संक्षिप्त दस्तावेज भी प्रस्तुत कर सकते हैं जो वे पहले दौर में गणना-फार्म जमा करते समय प्रस्तुत नहीं कर सके थे। आयोग ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय से प्राप्त जानकारी के आधार पर बताया है कि एसआईआर में 24 अगस्त तक 60 दिन में, 98.2 प्रतिशत लोगों ने अपने दस्तावेज जमा कर दिए हैं। अब दावे आपति तथा छूटे दस्तावेज जमा करने के लिए आठ दिन बाकी हैं जिसमें बचे हुए 1.8 प्रतिशत मतदाताओं को अपने दस्तावेज जमा कराने का अवसर है।

आयोग ने उम्मीद जाहिर की है कि गणना-फार्म की तरह दस्तावेज जमा कराने का काम भी समय से पूरा हो जाएगा। आयोग ने इस प्रक्रिया में अपने बृ्थ स्तरीय अधिकारियों, स्वयं सेवकों और राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त किए गए 1.6 लाख बृ्थ स्तरीय एजेंटों के कार्य की सहजाना की है।

कोलकाता रेप केस का आरोपी पीड़िता को ब्लैक मेल करता था

पुलिस चार्जशीट के अनुसार, आरोपी, एग्नॉस्ट फैन के छेद से वीडियो रिकॉर्ड करते थे

- घटना के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी पीड़िता को घसीटते हुए और बंधक बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं।**

कॉलेज के पूर्व छात्र मोनजीत मिश्रा और सह-आरोपी जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी ने गैंगरेप किया था। चार्जशीट में इन तीनों मुख्य आरोपियों के अलावा सिक्वोरिटी गार्ड पिनाकी बनर्जी का भी नाम है। घटना का जो सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, उसमें आरोपी पीड़िता

को घसीटते और बंधक बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। बाकी आरोपियों के मोबाइल फोन से पीड़िता के कई अश्लील वीडियो बरामद हुए हैं। कोलकाता पुलिस ने 58 दिन में यह चार्जशीट तैयार की है। चार्जशीट में कहा गया है कि आरोपियों ने ये वीडियो दीवार में लगे एग्नॉस्ट फैन के छेद से बनाए थे। वीडियो में आरोपियों की आवाजें हैं और आवाज के सैंपस मैच हो गए हैं। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि सिक्वोरिटी गार्ड ने पुलिस या आस-पास के किसी भी व्यक्ति को घटना की सूचना देने के बजाय गार्ड रूम को बंद कर दिया था।

नाबालिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) बहाने से घर पर बुलाया और उसे डरा-धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया। देर शाम बच्ची को तबीयत बिगड़ गई । जिसके बाद बच्ची ने अपनी मां को कॉल कर तबियत खराब होने की जानकारी दी। घर आकर परिजनों ने बच्ची को तुरंत प्राइवेट हॉस्पिटल में दिखाया। वहां डॉक्टरों ने पुलिस केस कहकर उसे जनाना हॉस्पिटल भेज दिया। उन्होंने कहा कि रेप का मामला हो सकता है। जनाना हॉस्पिटल में इलाज के दौरान पीड़िता के पिता ने हेल्थलाइन नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। पीड़िता के पचा बयान 20 अगस्त को पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किए गए। पुलिस ने दबिश देकर शनिवार को आरोपी पड़ोसी युवक को धर-दबोका और पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार करके उसे शनिवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

‘देश के किसानों व छोटे-छोटे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) उन्होंने कहा, हमें ऐसा कोई अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं मिला है जो अपनी विदेश नीति को इस तरह सार्वजनिक रूप से घोषित करता हो। यह विश्व के साथ व्यवहार करने की पारंपरिक शैली से एक बड़ा बदलाव है। विजिपत में कहा गया है, इसका परिणाम यह द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर जो चिंता है उसे चीन और यूरोपीय संघ जैसे अन्य प्रमुख खरीदारों पर उतनी सख्ती से लागू नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा, अगर तर्क तेल का है, तो (दूसरे) बड़े खरीदार भी हैं। अगर तर्क यह है कि रूस से ज्यादा व्यापार कौन कर रहा है, तो (दूसरे) बड़े व्यापारी भी हैं। जयशंकर ने यह भी कहा कि रूस से तेल खरीद का मुद्दा पहले अमेरिकी व्यापार वार्ताओं में नहीं उठाया गया था, यह केवल टैरिफ की गिरफ्तार करके उसे शनिवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

संचार मंत्रालय की एक आधिकारिक (प्रथम पृष्ठ का शेष) उन्होंने कहा, हमें ऐसा कोई अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं मिला है जो अपनी विदेश नीति को इस तरह सार्वजनिक रूप से घोषित करता हो। यह विश्व के साथ व्यवहार करने की पारंपरिक शैली से एक बड़ा बदलाव है। इसी बीच डाक विभाग ने आज अमेरिका के लिए सभी डाक सेवाओं को 25 अगस्त से अस्थायी रूप से निलंबित करने की घोषणा की है, क्योंकि अमेरिकी प्रशासन ने 800 तक की वस्तुओं के लिए ड्यूटी-फ्री छूट को समाप्त करने का निर्णय लिया है।

संचार मंत्रालय की एक आधिकारिक

नई दिल्ली, 24 अगस्ता। भारत ने अपनी रक्षा क्षमता को एक नई ऊँचाई पर पहुंचाते हुए इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस हथियार प्रणाली (आईएडब्ल्यूएस) का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण 23 अगस्त को ओडिशा तट से किया गया, जिसने देश को उन चुनिंदा राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल कर दिया है जिनके पास आधुनिक और पूरी तरह स्वदेशी बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली मौजूद है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन, हेलीकॉप्टर और क्रूज मिसाइल जैसे हवाई खतरों को अलग-अलग स्तर पर रोकने में सक्षम है। आईएडब्ल्यूएस में विक्क रिफ़ेशन सरफेस टू एयर मिसाइल (क्यूआरएसएम), एडवांस्ड वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम और शीघ्र आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार शामिल हैं। इनमें से लेजर हथियार को आधुनिक युद्ध की दिशा बदलने वाला गेमचेंजर माना जा रहा है, जो दुश्मन के लक्ष्यों को पलभर में नष्ट कर सकता है।

फिजी के प्रधानमंत्री राबुका भारत आये

नयी दिल्ली, 24 अगस्ता। फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिंगामामादा राबुका का रविवार सुबह दिल्ली पहुंचने पर शानदार स्वागत किया गया। शिक्षा राज्य मंत्री सुकुंतल मजूमदार ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राबुका और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, “फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका का उनके पहले दिल्ली आगमन पर हार्दिक स्वागत ।”

राबुका के साथ उनकी पत्नी सुलुएती राबुका भी आई हैं। उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा मंत्री रातू अटोनिगो लालबालावु और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

- राबुका की प्रधानमंत्री बनने के बाद यह पहली भारत यात्रा है। के्ट सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता करेंगे। मोदी गणमान्य अतिथि के सम्मान में प्रधानमंत्री बनने के बाद राबुका की यह पहली भारत यात्रा है। प्रधानमंत्री सोमवार को उनके सम्मान में दोपहर को भोज देंगे।**

में दोपहर के भोजन का आयोजन करेंगे। प्रधानमंत्री राबुका का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। उनका भारतीय विश्व मामलों की परिषद में शांति का महासागर विषय पर व्याख्यान देने का भी कार्यक्रम है। फ़िजी के प्रधानमंत्री के यह यात्रा भारत और फिजी के बीच दीर्घकालिक और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है। यह सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों को और गहरा करने के लिए दोनों देशों की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

बंगलादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में था और फिर 14 अगस्त, 2024 को छिप गया था। आरोपी अधिकारी ने दावा किया कि बंगलादेश की अंतरिम सरकार ने हाल ही में उसे पुलिस बल से निलंबित कर दिया है।

इसरो ने एकीकृत एयर ड्रॉप पैराशूट का सफलता पूर्वक परीक्षण किया

नई दिल्ली, 24 अगस्ता। भारत के प्रथम मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन की दिशा में आगे बढ़ ते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार (24 अगस्त, 2025) को पहला एकीकृत एयर ड्रॉप पैराशूट (आईएडीटी-01) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। गगनयान के लिए डिजाइन ये पैराशूट अंतरिक्ष यान की गति को कंट्रोल करने का एक सिस्टम है। ये परीक्षण अंतरिक्ष उड़ान पर गए यात्रियों के सुरक्षित पृथ्वी पर वापसी के लिए किया गया है। परीक्षण के दौरान भारतीय वायु सेना, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल उपस्थित रहे।

बता दें कि ये पैराशूट सिस्टम वायुमंडल में दोबारा प्रवेश के बाद कू

- भारत के प्रथम मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन (गगनयान) की प्रगति में यह महत्वपूर्ण कदम है।**

मॉड्यूल के दोबारा सुरक्षित वापसी के लिए काफी जल्दी है। परीक्षण के दौरान, एक मॉक मॉड्यूल को विमान से छोड़ा गया और नव-विकसित पैराशूट असेंबली की मदद से सुरक्षित रूप से नीचे उतरा गया, जिससे ये परीक्षण सफल रहा।

इसरो अधिकारियों के अनुसार, आईएडीटी-01 का उद्देश्य यह जांचना था कि पैराशूट खोलने की पूरी प्रक्रिया सही तरह से काम कर रही है या नहीं। गगनयान के लिए डिजाइन किया

भारी वर्षा से जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर पुल क्षतिग्रस्त हुआ

जम्मू शहर में बारिश का पानी शहरों में घुसा, तवी नदी के जल स्तर में बढ़ोतरी

जम्मू, 24 अगस्ता। जम्मू क्षेत्र के कई हिस्सों में लगातार भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाने से रविवार को जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक पुल क्षतिग्रस्त हो गया।

अधिकारिक सूचों ने बताया कि रातभर हुई भारी बारिश से जम्मू, कठुआ, सांबा, रियासी और उधमपुर जिलों और कई हिस्सों में भारी क्षति हुई है।

उन्होंने कहा कि जम्मू शहर में बारिश का पानी घरों में घुस गया जिससे संपत्ति एवं घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा। शनिवार रात से ऊपरी इलाकों और पूरे क्षेत्र में हो रही बारिश के कारण तवी नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। जम्मू शहर में जलमग्न सड़कें एवं उफनते

- सांबा, कठुआ, किश्तवाड़ और रामबन में राती व चिनाब में बढ़ते जल स्तर को देखते हुए अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की।**

नालों के कारण जलभराव से यात्रियों को परेशानी हुई और शहर के कई निचले इलाकों में बारिश का पानी घरों के अंदर घुस गया। शहर के साथ-साथ जम्मू-कठुआ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी यातायात बाधित रहा क्योंकि कठुआ जिले में सहरा खद नदी में जलस्तर बढ़ ने के कारण लॉंगने मोड़ के पास पुल क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र में लगातार हो

रही बारिश को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

सांबा में बसंतर, कठुआ में उख़ और रावी और डोडा, किश्तवाड़ और रामबन में चिनाब सहित प्रमुख नदियाँ और नालों का भी जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने किसी भी अभिय घटना से निपटने के लिए आपदा प्रतिक्रिया टीमों एवं स्थानीय पुलिस को अलर्ट पर रखा है।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 24 से 26 अगस्त तक जम्मू, रियासी, उधमपुर, सांबा, कठुआ और राजौरी में कुछ स्थानों पर भारी बारिश के साथ-साथ कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छोटे पड़ने का अनुमान है। पुंछ, रामबन, डोडा, किश्तवाड़ और कश्मीर संभाग के दक्षिणी हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश होगी।